

भारत सरकार
खान मंत्रालय
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न सं. †506
दिनांक 03.12.2025 को उत्तर देने के लिए

महत्वपूर्ण खनिजों का उत्पादन

†506. श्रीमती ज्योत्स्ना चरणदास महंत:

क्या खान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

- (क) सरकार द्वारा पिछले पांच वर्षों के दौरान चिह्नित प्रत्येक महत्वपूर्ण खनिज की उत्पादन क्षमता और वास्तविक उत्पादन का वर्ष-वार और खनिज-वार ब्यौरा क्या है;
- (ख) 2030 तक महत्वपूर्ण खनिजों की कुल अनुमानित घरेलू मांग कितनी है और वर्तमान में घरेलू उत्पादन बनाम आयात के माध्यम से इसकी कितनी पूर्ति की जा रही है;
- (ग) भारत पिछले पांच वर्षों के दौरान किन देशों से सबसे अधिक मात्रा में महत्वपूर्ण खनिजों का आयात करता है और ऐसे आयातों का मूल्य कितना है;
- (घ) राष्ट्रीय महत्वपूर्ण खनिज मिशन (एनसीएमएम) के अंतर्गत प्रगति और अब तक की प्रगति का ब्यौरा क्या है; और
- (ङ) क्या भारत की महत्वपूर्ण खनिजों के लिए प्रसंस्करण और शोधन क्षमता विभिन्न उद्योगों की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए पर्याप्त है और घरेलू मूल्य श्रृंखलाओं को बढ़ाने के लिए क्या कदम उठाए जाने का विचार है?

उत्तर

कोयला और खान मंत्री
(श्री जी. किशन रेड्डी)

(क) से (ग): देश में वर्तमान में खनन से उत्पादित महत्वपूर्ण खनिज ग्रेफाइट, फॉस्फोराइट, दुर्लभ मृदा तत्व (आरईई), टाइटेनियम युक्त खनिज और ज़िरकोनियम युक्त खनिज हैं। पिछले पांच वर्षों में इन महत्वपूर्ण खनिजों के उत्पादन का विवरण अनुलग्नक-I में दिया गया है। इसके अतिरिक्त, देश में टिन, निकल, कोबाल्ट, कैडमियम, वैनेडियम और प्लैटिनम समूह के तत्व (पीजीई), लिथियम, सेलेनियम, इंडियम की कुछ मात्रा भी उत्पादित होती है।

विभिन्न अध्ययनों से संकेत मिलता है कि 2030 तक भारत में महत्वपूर्ण खनिजों की मांग में उल्लेखनीय वृद्धि होगी - लिथियम की मांग लगभग 6-8 गुना, कोबाल्ट की 3-5 गुना, और आरईई, निकल और ग्रेफाइट की मांग लगभग 1.5 से 2 गुना तक बढ़ जाएगी। पिछले पांच वर्षों के दौरान आयातों के कुल मूल्य के साथ शीर्ष देशों का विवरण, जिनसे भारत महत्वपूर्ण खनिज आयात करता है, अनुलग्नक-II में दिया गया है।

(घ) और (ड.): केंद्रीय मंत्रिमंडल ने भारत की महत्वपूर्ण खनिज आपूर्ति श्रृंखला को सुरक्षित करने और महत्वपूर्ण खनिज मूल्य श्रृंखला को मजबूत करने के उद्देश्य से दिनांक 29.01.2025 को राष्ट्रीय महत्वपूर्ण खनिज मिशन (एनसीएमएम) के गठन का अनुमोदन किया है। इस मिशन के विभिन्न पहलुओं में हुई प्रगति में, अन्य बातों के साथ-साथ, निम्नलिखित शामिल हैं:

- भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (जीएसआई) ने महत्वपूर्ण खनिज का गवेषण तेज कर दिया है। जीएसआई ने 2024-25 में 195 महत्वपूर्ण खनिज गवेषण परियोजनाएं और 2025-26 में पूरे देश में 230 परियोजनाएं शुरू की हैं। इसके अलावा, राष्ट्रीय खनिज गवेषण और विकास न्यास (एनएमडीडीटी) ने 2024-25 के दौरान महत्वपूर्ण खनिज के गवेषण के लिए 62 परियोजनाएं और 2025-26 (अब तक) के दौरान 36 परियोजनाएं मंजूर की हैं।
- खान और खनिज (विकास और विनियमन) अधिनियम (एमएमडीआर अधिनियम), 1957 में 2025 में संशोधन किया गया है, जिसके द्वारा विदेशों में महत्वपूर्ण खनिज गवेषण और खनन को बढ़ावा देने के लिए एनएमडीडीटी का दायरा बढ़ाया गया है।
- केंद्र सरकार ने महत्वपूर्ण खनिज के 34 ब्लॉकों की सफलतापूर्वक नीलामी की है।
- केंद्र सरकार ने गवेषण अनुज्ञप्ति के 7 ब्लॉकों की सफलतापूर्वक नीलामी की है, जिनमें से 3 महत्वपूर्ण खनिज ब्लॉक हैं।
- केंद्रीय मंत्रिमंडल ने महत्वपूर्ण खनिज पुनर्चक्रण को बढ़ावा देने के लिए ₹1,500 करोड़ की वित्तीय प्रोत्साहन योजना का अनुमोदन किया है। योजना के दिशानिर्देश जारी किये गये और योजना 02.10.2025 को शुरू की गई और योजना लागू हो गई।
- ओवरबर्डन/ टेलिंग्स/ फ्लाइं एश/ रेड मड आदि से महत्वपूर्ण खनिज की प्राप्ति के लिए पायलट प्रोजेक्ट के वित्त पोषण के लिए दिशानिर्देश 14.11.2025 को जारी किए गए हैं।
- सरकार ने महत्वपूर्ण खनिज मूल्य श्रृंखला में घरेलू क्षमताओं को सुदृढ़ करने के लिए अनुसंधान एवं विकास (आर एंड डी) करने हेतु एनसीएमएम के तहत नौ प्रमुख संस्थानों को उत्कृष्टता केंद्र (सीओई) के तौर पर मान्यता दी है। प्रत्येक सीओई उद्योग और शैक्षणिक स्पोक्स घटक की मुख्य क्षमता का फ़ायदा उठाने के लिए, हब एंड स्पोक मॉडल पर एक कंसोर्टियम के तौर पर कार्य करता है।
- मौजूदा अवसंरचना का प्रयोग करते हुए एनसीएमएम के तहत, खनिज प्रसंस्करण पार्क बनाकर घरेलू महत्वपूर्ण खनिज प्रसंस्करण क्षमताएं निर्मित करने के लिए ₹500 करोड़ निर्धारित किए गए हैं।

पिछले 5 वर्षों में महत्वपूर्ण खनिजों का वर्ष-वार उत्पादन, (टन में)

खनिज	2020-21	2021-22	2022-23	2023-24 (अ)	2024-25 (अ)
ग्रेफाइट	35,386	62,888	94,789	1,69,080	85,329
फॉस्फोराइट	14,55,829	13,94,959	19,78,450	15,57,783	18,05,914
ऑक्साइड के रूप में दुर्लभ मृदा तत्व (आरईओ)	1994	2510	2511	2642	2345
टाइटेनियम युक्त खनिज	3,33,604	3,66,445	3,69,160	4,00,152	4,34,309
ज़िरकोनियम युक्त खनिज	12,240	10,616	10,988	13,962	15,322
स्रोत: भारतीय खान ब्यूरो (एमसीडीआर विवरणी) और आईआरईएल (इंडिया) लिमिटेड (अ): अनंतिम					

अनुलग्नक-II

शीर्ष आयात स्रोत देश और महत्वपूर्ण खनिजों के आयात का मूल्य

#	महत्वपूर्ण खनिज	शीर्ष आयात स्रोत	वित्त वर्ष 2020-21 से वित्त वर्ष 2024-25 तक सभी स्रोतों से आयात का कुल मूल्य (₹ करोड़)
1	बेरिलियम	बेल्जियम, फ्रांस,	2.3
2	कैडमियम	दक्षिण कोरिया, चीन	834.9
3	कोबाल्ट	चीन, बेल्जियम, नीदरलैंड, नॉर्वे	896.1
4,5	गैलियम, इंडियम	रूस, चीन	4.3
6	ग्रेफाइट	चीन, मेडागास्कर	6,329.2
7	लिथियम	बेल्जियम, यूएसए, रूस	1,951.5
8	मोलिब्डेनम	चिली, यूएसए, चीन	13,644.1
9	नियोबियम	कनाडा, जर्मनी, रूस	95.1
10	निकल	नॉर्वे, चीन, दक्षिण अफ्रीका, बेल्जियम, ऑस्ट्रेलिया	28,688.1
11	प्लैटिनम समूह तत्व (पीजीई)	यूएई, यूके, दक्षिण अफ्रीका	68,619.0

12	फॉस्फोरस	जॉर्डन, मिस्र, टोगो, मोरक्को	59,898.2
13,14	पोटाश, ग्लौकोनाइट	रूस, कनाडा	48,476.6
15	आरईई	चीन, जापान, यूएसए	721.7
16	रेनियम	-	शून्य
17	सेलेनियम	जापान, दक्षिण कोरिया	345.5
18	टैंटलम	चीन, एस्टोनिया, यूएसए	10.9
19	टेल्यूरियम	चीन, जापान, जर्मनी	15.1
20	टिन	इंडोनेशिया, सिंगापुर, मलेशिया	13,916.8
21	टाइटेनियम	मोज़ाम्बिक, मलेशिया, दक्षिण कोरिया, चीन, कज़ाकिस्तान यूएसए, सिंगापुर	5,502.1
22	टंगस्टन	नीदरलैंड, जापान, चीन	224.9
23	वैनेडियम	दक्षिण कोरिया, थाईलैंड, चीन, कनाडा	908.1
24	ज़िरकोनियम	ऑस्ट्रेलिया, इंडोनेशिया, मलेशिया	6,253.5

नोट: इसमें महत्वपूर्ण खनिजों के अयस्क/ सांद्र/ कंपाउंड/ अनरॉट धातु/ अपशिष्ट और स्क्रेप शामिल हैं।